

## Understand budget through four major heads

The first budget presented by BJP lead Government looks to be promising. We can divide the budget into four major heads, first being competitiveness of country, second being for domestic industry and third for common man and fourth Society.



The Finance Minister has well balanced the issues and proposed to keep the deficit at the current level.

The FM had to fight with inflation increase investment and growth momentum. He has tried to develop Indian's competitiveness through investment in infrastructure, custom single window clearance, exercise duty being reduced in footwear, local produced LED etc. Investment in technology development, investment in textiles clusters. Government has invested both in traditional clusters and contemporary electronic clusters. This will help in developing world quality, price competitive products .

In local industry growth, the budget has some positive news specially for food packaging industry through reduction of excise duty. This will help more investment in food processing industry. Investment in sports, communication and overall process efficiency will help the local industry grow . This will help in addition of more employment numbers.

For salaried and IT payers, housing loan rebate raised from Rs 1.5 lakh to Rs 2 lakh. Increased investment limit under Section 80C from Rs 1 lakh to Rs 1.5 lakh is a good sign.

Social: Investment in Girl child education is an innovative step. Increasing duty on tobacco products and other social evils products.

Over all I can say that this budget has tried to take care of short term and long term issues in same breath. The success of this budget lies in implementation.

*Prof Prashant Salwan, Chair Strategic Management area, IIM Indore*

**Free Press, July 11, 2014,  
Page-13 (Indore City)**

## समस्याएं साधने की कोशिश



**प्रो. प्रशांत  
सालवान**

आईआईएम, इंदौर

फूड पैकेजिंग इंडस्ट्रीज को बजट में जो टैक्स छूट दी गई है, उससे इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा।

नई भाजपा सरकार का बजट प्रथम दृष्टया बेहतर कहा जा सकता है। यदि औद्योगिक विकास के तयजु में तौले तो तीन खास बातों पर ध्यान आकर्षित होता है। पहला, इसमें घरेलू उद्योगों के उत्थान के लिए विशेष योजना है। दूसरा, देश के उद्योगपतियों के लिए स्वच्छ प्रतिस्पर्धा का माहौल बनाने के प्रयास दिखते हैं और तीसरा निर्यात बढ़ाने के प्रति सरकार की मंशा स्पष्ट झलकती है। निर्यात बढ़ाने की योजनाओं के साथ घरेलू उद्योगों के विकास के लिए कई अच्छे प्रस्ताव हैं। छोटे और मंझले उद्योगों पर सरकार की विशेष मेहरबानी रही। ऐसा भी कहा जा सकता है कि बड़े उद्योगों का भी कुछ हिस्सा एसएमई के खाते में आ गया। सरकार का उद्देश्य इसके जरिए युवाओं में उद्यमिता का भाव पैदा करना और रोजगार के अवसर बढ़ाना है। इतना ही नहीं सरकार ग्रामीण क्षेत्रों में उद्यम विकास पर विशेष जोर दे रही है। इसे कृषि क्षेत्र में मौजूद छद्म रोजगार से मुक्ति पाने की कवायद माना जा रहा है। फूड पैकेजिंग इंडस्ट्रीज को जो टैक्स छूट दी गई है, उससे उद्योग का फायदा होने के साथ इस क्षेत्र में निवेश आकर्षित होगा। मुझे लगता है, नई कंपनियां इसमें रुचि दिखाएंगी। नया बजट खेल और दूरसंचार क्षेत्र में निवेश बढ़ाने की काबिलियत रखता है। औद्योगिक क्षेत्र में विकास से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, यह तय है। साथ ही जनसाधारण के उत्थान के लिए कई दूरदर्शी फैसले लिए गए हैं। वित्त मंत्री ने देश की छोटी एवं बड़ी समस्याओं को एक साथ हल करने की कोशिश की है। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चुनाव के दौरान अपने भाषणों में जो बातें कही थीं, इस बजट के माध्यम से देश को उस दिशा में अग्रसर करने की झलक दिखती है। यह बजट उद्योग के साथ जनता के लिए बेहतर साबित होगा, बशर्ते जिन योजनाओं की बात की गई है, उनका शब्दशः क्रियान्वयन भी हो।